पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

उर्वशी रौतेला और मिमी चक्रवर्ती को ED का समन

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 163 ■ मंगलवार 16 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

नए वार्ड बाउंड्री के विरुद्ध 120 ऐतराज

- मनपा चुनाव से पूर्व नगरसेवकों की नींद हराम
- क्या बाउंड्री विवाद के चलते शिवसेना-भाजपा में आयी दरार?
- सिंधी वार्डों का भी हुआ बंटवारा
- आम आदमी अपनी आपत्तियां कहां दर्ज कराएं?

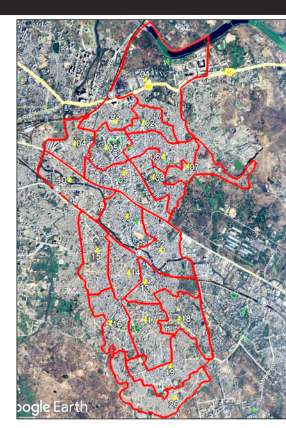

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के आगामी चुनाव को देखते हुए कुल 78 वार्डों के लिए नए वार्ड बाउंड्री 3 सितंबर 2025 को मनपा वेबसाइट पर घोषित की गई थी। इन वार्ड बाउंड्री पर अपनी आपत्ति व सुझाव दर्ज कराने की अंतिम तारीख 15 सितंबर 2025 तक थी। जिसमें कल दोपहर तक कुल 120 आपत्तियां दर्ज की गई है। 17 आपत्तियां दो बार डाली गई है जिससे कुल आपत्तियां 103 ही दर्ज की गई है। अब इन आपत्तियों और सुझाव पर सुनवाई के लिए अर्जदार को बुलाया जाएगा उस पर सुनवाई के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। 103 ऐतराज किस पैनल अथवा वार्ड के लिए दर्ज किए गए हैं यह पता नहीं चल सका है लेकिन ज्यादातर पूर्व नगरसेवकों द्वारा जो वार्ड के कई वार्डों में बंटवारा हुआ है उनके द्वारा ही की गई है। हालांकि ज्यादातर वार्ड जैसे थे वैसे ही बताए गए थे।

आगामी चुनाव को लेकर वार्ड बाउंड्री का कार्य तो सुनवाई के बाद पूरा हो जाएगा लेकिन इसके बाद जो अहम चरण है वो है वार्ड आरक्षण का। वार्ड आरक्षण लॉटरी के बाद ही वार्ड की पूर्ण स्थिति का जायजा लिया जा सकता है। नए वार्ड बाउंड्री में कुछ दिग्गज नगरसेवक को झटका लगा है खबर मिली है कि भाजपा व शिवसेना गठबंधन में दरार का कारण वार्ड बाउंड्री ही है जिस कारण दोनों में दरार आयी है। सिंधी मतदाताओं के कई वार्डों का भी बंटवारा हुआ है। कई पूर्व सिंधी नगरसेवक भी इस कारण टेंशन में है। पुराने दिग्गज पूर्व नगरसेवक ही टेंशन में है ऐसे में युवा इच्छुक उम्मीदवार अभी भी टिकट की आस में नेताओं के आगे पीछे घूम रहे हैं। जल्दबाजी में शिवसेना-टीओके ने चुनावी गठबंधन कर शहर में चुनावी सरगर्मी तो तेज कर ली है लेकिन अब सुनने में आ रहा है कि वो भी पछता रहे हैं कि जल्दबाजी में लिया हुआ फैसला कहीं चुनाव में हार का कारण न बने।

चुनाव की तैयारी में जुटे नेता

आगामी चुनाव के लिए कई पूर्व नगरसेवकों ने अपने पैनल में तो तैयारियां भी शुरू कर ली है वहीं कई पूर्व नगरसेवक अपना पैनल बनाने में लगे हुए हैं। इस बार ओबीसी उम्मीदवारों का बोलबाला रहेगा उन्हें हर पार्टी अपनी ओर खींचने में लगी रहेगी। भाजपा अकेले चुनाव लड़ेगी या गठबंधन करेगी यह तय नहीं हुआ है। लेकिन राकांपा के जिलाध्यक्ष बनने के बाद भारत गंगोत्री के पास इच्छुकों की भीड़ अभी से ही देखी जा रही है। शिवसेना उबाठा व मनसे ने एक साथ आंदोलन करके अपने गठबंधन का ऐलान कर दिया है वहीं कांग्रेस ने भी कार्य शुरू किया है। शहर की नई पार्टी प्रजा कृपा पार्टी भी इस बार चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार है तो साईं पक्ष भी शिवसेना के साथ चुनाव लड़ने की इच्छुक है। अब चुनावी माहौल शहर में शुरू हो चुका है लेकिन शहर की खस्ता हालत से आम नागरिक आज भी परेशान है। वो अपना ऐतराज आपत्तियां कहा दर्ज कराएं यह सबसे बड़ा सवालिया निशान बना हुआ है।

उल्हासनगर का सेंट्रल अस्पताल हुआ बीमार

- अस्पताल के महिला वार्ड खस्ता हालत में
- अस्पताल में गंदगी का साम्राज्य
- प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग पर उंगली उठाई
- अस्पताल की हालत का जिम्मेदार कौन?

उल्हासनगर. जिला अस्पताल का दर्जा प्राप्त उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल में मरीजों को अभी भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के महिला वार्ड में शौचालय के दरवाजे टूटे हुए हैं, और महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बारे में बार-बार शिकायत करने के बावजूद, अभी तक दरवाजे नहीं लगाए गए हैं। इसके कारण महिलाओं को काफी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें शौचालय का उपयोग करते समय कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, अस्पताल परिसर में हर जगह अस्वच्छता की स्थिति है और गंदगी का साम्राज्य बना हुआ है। अस्पताल की इस खराब स्थिति को देखते हुए, सवाल उठता है कि मरीजों की असुविधा के लिए कौन जिम्मेदार है। इस बारे में पूछे जाने पर, अस्पताल प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग पर उंगली उठाई। हालांकि, लोक निर्माण विभाग ने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है कि हमें कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि, प्रशासन की इस लापरवाही के कारण मरीजों को हर दिन परेशानी उठानी पड़ रही है स्थानीय नागरिकों और मरीजों ने मांग की है कि प्रशासन शौचालयों की मरम्मत, साफ-सफाई की व्यवस्था और अस्पताल की समग्र व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए।

अंबरनाथ में मालगाड़ी का इंजन खराब

डेढ़ घंटे तक मध्य रेलवे हुई प्रभावित

- सोमवार को सुबह से ही 20 मिनट ट्रेनें लेट चलीं

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ और बदलापुर रेलवे स्टेशन के बीच में दोपहर में मालगाड़ी का इंजन खराब होने के कारण मध्य रेलवे की लोकल ट्रेन लगभग डेढ़ घंटे तक प्रभावित रही. एक तो सुबह से ही तेज बारिश के कारण लोकल 15 से 20 मिनट देरी से चल रही थी. ये मालगाड़ी कल्याण की ओर जा रही थी. कर्जत और बदलापुर से मुंबई जाने वाले प्रवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. कुछ लोकल ट्रेनें पटरी पर ही खड़ी होने के कारण कुछ मुसाफिरों ने पटरी से पैदल चल कर अंबरनाथ की ओर सफर किया. सोमवार को नौकरी पर मुंबई जाने वालों के लिए हफ्ते का पहला दिन मुसीबतों भरा रहा. दो दिनों से हो रही जोरदार बारिश के कारण सुबह से ही अंबरनाथ और बदलापुर से 15 से 20 मिनट लोकल ट्रेनें लेट थी. लेकिन दोपहर में तो प्रवासियों पर मुसीबत का पहाड़ ही टूट पड़ा, जब मालगाड़ी का इंजन खराब होने से डेढ़ घंटे तक लोकल ट्रेन में ही प्रवासियों को खासकर वृद्ध महिलाएं और बच्चे ट्रेन में ही बैठे रहे और लोकल ट्रेन के शुरू होने की प्रतीक्षा करते रहे. दोपहर में ढाई बजे इंजन लगाकर मालगाड़ी को आगे ले जाया गया. प्रवासियों का ये कहना था कि मालगाड़ियों को मध्य रेलवे रात के समय में ही छोड़े तो अच्छा है.

डेवलपर से 15 लाख की फिरौती मांगने के आरोप में

कुख्यात गैंगस्टर नन्नू शाह का भतीजा गिरफ्तार

कल्याण. कोलसेवाड़ी पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर नन्नू शाह के भतीजे सूरज शाह को गिरफ्तार किया है, जिसने कल्याण पूर्व के एक डेवलपर को 15 लाख रुपये की फिरौती मांगने या फिर जान से मारने की धमकी दी थी। कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय ने सूरज को 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

सूरज शाह ने कल्याण पूर्व में एक निर्माण व्यवसायी किरण निचल को धमकी दी थी। किरण निचल ने इस संबंध में कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में दी गई जानकारी के अनुसार, निर्माण व्यवसायी किरण निचल ने कल्याण पश्चिम में लक्ष्मी जिजाऊ सोसाइटी की पुरानी इमारत के पुनर्विकास का काम अपने हाथ में लिया है। निर्माण व्यवसायी निचल ने इस इमारत को गिराने और कबाड़ बेचने की योजना पहले ही बना ली थी। इसके लिए उसने प्रस्तावित ठेकेदार को पुरानी इमारत गिराने और कबाड़ लेने का ठेका दे दिया था।

हालांकि, सूरज शाह यह काम खुद के लिए पाने की पूरी कोशिश कर रहा था। उसने पिछले हफ्ते किरण निचल से मोबाइल पर संपर्क किया और कहा कि वह नन्नू शाह का भतीजा बात कर रहा है। उसने जिद की कि उसे इमारत को गिराने का काम दिया जाए। उसने धमकी दी कि अगर तुम मुझे यह काम नहीं दोगे तो मुझे 15 लाख रुपये देने होंगे। अगर तुम वो पैसे नहीं दोगे तो मैं तुम्हें जान से मार दूंगा.

जिसके बाद, निर्माण व्यवसायी किरण निचल सीधे कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन गए और घटना की शिकायत की। कल्याण कोर्ट में पेशी के बाद, अदालत ने सूरज शाह को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

लोक अदालत में यातायात पुलिस का रिकॉर्ड

- एक दिन में 530 मामले दर्ज
- सरकारी खाते में जमा हुआ 18 लाख 17 हज़ार 500 रुपये का जुर्माना

उल्हासनगर. उल्हासनगर यातायात विभाग ने राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से यातायात अनुशासन और दंडात्मक कार्रवाई में रिकॉर्ड सफलता हासिल की है। मात्र एक दिन में 530 मामले दर्ज करके 18 लाख 17 हज़ार 500 रुपये का जुर्माना सरकारी खाते में जमा कराया गया। वरिष्ठ नागरिकों के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान ने न केवल नागरिकों में जागरूकता बढ़ाई है, बल्कि उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शनिवार, 13 सितंबर, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की विशेष पहल में उल्हासनगर यातायात विभाग ने अनुशासित और सख्त कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना वसूला। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और मार्गदर्शन में, यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ, पुलिस कांस्टेबल विष्णु मोगरे, पुलिस नायक नाना आव्हाड, भरत खांडेकर और यातायात वार्डन राहुल सासाने ने इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया। इस संयुक्त कार्रवाई में 530 मामले दर्ज किए गए। 18 लाख 17 हजार 500 रुपये का जुर्माना सरकारी खाते में जमा किया गया है।

अनुशासित यातायात संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ की गई इस कार्रवाई से नागरिकों में हड़कंप मच गया है। कई लोगों ने तुरंत जुर्माना भरने और कानून का पालन करने का फैसला किया। नागरिकों ने परिवहन विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में ऐसी गतिविधियाँ लगातार लागू की जानी चाहिए।

एक दिन में 5 करोड़ 19 लाख 51 हज़ार की वसूली

- अभय योजना का मिला लाभ

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा की एक दिवसीय अभय योजना के तहत 5 करोड़ 19 लाख 51 हज़ार रुपये की वसूली की गई है। उक्त जानकारी सहायक आयुक्त मयूरी कदम ने दी है. उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत संपत्ति कर की पूरी राशि चुकाने पर 100 प्रतिशत ब्याज माफ किया गया।

उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले के मार्गदर्शन में शनिवार को संपत्ति कर विभाग के लिए एक दिवसीय अभय योजना लागू की गई। संपत्ति मालिकों ने अभय योजना का लाभ उठाते हुए एक ही दिन में 5 करोड़ 19 लाख 51 हज़ार 321 रुपये का संपत्ति कर चुकाया।

वारिंगे महाराज ने पालेगांव के देसाई परिवार पर अपराध दर्ज कराया

- इंस्टाग्राम पर महाराज की देसाई ने की बदनामी
- सचिन शाह बिल्डर ने भी अपराध दर्ज कराया था
- पुलिस की चुप्पी संदेह के घेरे में

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. पालेगांव का देसाई परिवार जिसने बिल्डर सचिन शाह की भूमि पर कंटेनर डालकर अवैध कब्जा जमाने का प्रयास किया है. देसाई परिवार पर सचिन शाह ने दो बार पुलिस में अपराध दर्ज कराया है और अब सोमवार को अंबरनाथ के प्रख्यात वारकरी कीर्तनकार वारिंगे महाराज (52) ने देसाई परिवार के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है. वह अपने समर्थकों के साथ शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे. उनके साथ उनकी पत्नी भी थी. उन्होंने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल से कहा कि देसाई परिवार के मनोहर देसाई, सुरेश देसाई, हरीश देसाई, समीर देसाई, अरुण देसाई ने उनकी सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर बदनामी करते हुए कहा कि वारिंगे महाराज पुलिस में अपराध दर्ज कराने के लिए सचिन शाह को उकसाते हैं. अगर विश्वनाथ वारिंगे ने ये सब करना छोड़ा नहीं तो हम पालेगांव में उसका आसाराम बापू करेंगे. अन्य बदनामी कारक शब्द भी उन्होंने इस्तेमाल करते हुए मनोहर बाबू देसाई ने अक्की पाटिल इंस्टाग्राम पर प्रसारित करके उनकी बदनामी करके आब्रू नुकसानी की है.

पुलिस ने उन पर एनसी अपराध दर्ज कराया है जबकि वारिंगे महाराज ने पुलिस निरीक्षक से ये भी कहा कि देसाई पर अनेक अपराध दर्ज होने पर भी उन पर कड़क कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं.

विदित हो कि देसाई परिवार पर सचिन शाह ने भी पुलिस में दो अपराध दर्ज कराए हैं. इस मामले को लेकर पुलिस विभाग की चुप्पी अब संशय के घेरे में आ गई है.

शौचालय बना अपराधियों का अड्डा

- कैम्प-4 भीमनगर में स्थित है शौचालय
- नशेड़ी युवकों का कब्जा
- नपा प्रशासन व पुलिस ध्यान दें

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 14, कैंप 40ओटी सेक्शन भीम नगर में स्थित सार्वजनिक शौचालय की हालत बेहद खराब है और स्थानीय नागरिकों में इसे लेकर काफी रोष है। मरम्मत न होने के कारण यह जगह अपराध और अनैतिकता का अड्डा बन गई है और महिलाओं को अपनी जान हथेली पर रखकर शौचालय जाना पड़ रहा है। ओटी सेक्शन भीम नगर इलाके में स्थित यह सार्वजनिक शौचालय इस समय बेहद खतरनाक स्थिति में है। चारों तरफ से प्लास्टर उखड़ चुका है और बिजली गुल है। दरवाजे और खिड़कियां टूटी हुई हैं और पूरा इलाका गंदा है। मरम्मत न होने के कारण इस शौचालय पर स्थानीय नशेड़ी गुंडों ने कब्जा कर लिया है और यहाँ आए दिन पार्टियाँ होने लगी हैं। इससे यहाँ महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा गरमा गया है। स्थानीय महिलाओं को इस शौचालय में जाने के लिए कपड़ा बांधना पड़ता है। इतना ही नहीं, एक महिला को बाहर खड़ा करके रखवाली करनी पड़ती है और उसके बाद ही वे शौचालय जा पाती हैं, एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। नागरिकों के अनुसार, कभी भी कोई बड़ा हादसा होने की आशंका है। आज मनसे नेता सचिन कदम ने इस शौचालय का निरीक्षण किया और नगर निगम प्रशासन को इसकी तुरंत मरम्मत करने की चेतावनी दी। अन्यथा, उन्होंने कड़ा विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से इस शौचालय की तुरंत मरम्मत कराने और नागरिकों को सुरक्षित व स्वच्छ सुविधाएँ प्रदान करने की माँग की है।

भाजपा पदाधिकारी ने युवक की पिटाई की

- कार खड़ी कर सड़क जाम करने को लेकर विवाद

उल्हासनगर. सड़क के बीचोंबीच कार खड़ी कर यातायात बाधित करने वाले भाजपा युवा मोर्चा के महासचिव से पूछताछ करना युवक को भारी पड़ गया। युवा मोर्चा के महासचिव ने अपने साथियों की मदद से उसकी पिटाई कर दी।

दो दिन पहले, रोशन पुरस्वानी अपनी कार सड़क के बीचोंबीच खड़ी करके अपने दोस्तों से बात कर रहे थे। उसी दौरान विशाल गुप्ता पीछे से आए और उनसे कार हटाने को कहा। इसी गुस्से को ध्यान में रखते हुए रोशन पुरसवानी, विपिन तलरेजा, राज वाल्मीकि, दिवेश भगवाने ने सी ब्लॉक रोड पर विशाल को रोक लिया। उससे जवाब-तलब करते हुए, उन्होंने उसे हाथों से पीटना शुरू कर दिया। रोशन पुरस्वानी ने हाथ में पकड़ी चाबी से विशाल की दाहिनी आँख के नीचे वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। मारपीट में विशाल की सोने की चेन और मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर रूप से घायल विशाल को सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में 24 घंटे बाद केंद्रीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

नए नाट्यगृह का नाम देने में शिवसेना में ही मतभेद

अंबरनाथ. अंबरनाथ के सर्कस मैदान में बनकर तैयार नाट्यगृह के नामकरण पर शिवसेना में ही आपसी मतभेद दिखाई दे रहा है. शिवसेना शहर प्रमुख एवं विधायक किणीकर के समर्थकों ने नाट्यगृह को धर्मवीर आनंद दिघे नाम देने की मांग उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे एवं मुख्याधिकारी से की है तो दूसरी ओर विधायक किणीकर ने इस नाट्यगृह को लोकशाहीर अन्नाभाऊ साठे देने की सिफारिश की है. इस मांग को लोकशाहिर अन्ना भाऊ साठे नामकरण संघर्ष समिति ने समर्थन दिया है. समिति अध्यक्ष सुनिल अहिरे, शत्रुघ्न उमाप, प्रकाश जाधव, विजय हनवते द्वारा दिए गए निवेदन के अनुसार अन्नाभाऊ साछे संयुक्त महाराष्ट्र में योगदान, उनके साहित्य और रशियन सरकार ने किया गौरब को देखकर उनका नाम देना योग्य होगा. ऐसा समिति ने निवेदन में कहा है. अन्ना भाऊ साठे नाम को 40 से ज्यादा संगठनों ने समर्थन दिया है. ऐसा समिति का दावा है. दूसरी ओर शिवसेना पक्ष प्रमुख अरविंद वालेकर ने कहा है कि ठाणे जिले में सांस्कृतिक एवं कला विश्व में योगदान एवं मराठी कलाकारों के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए नाट्यगृह का नाम आनंद दिघे के नाम करने की मांग उन्होंने की है. अंबर भरारी के सुनिल चौधरी व अन्य ने ज्येष्ठ नाटककार बालकृष्ण कोल्हटकर के नाम नाट्यगृह का नाम करने की मांग की है.

विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी के अनुसार शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं ने नाट्यगृह का नाम धर्मवीर आनंद दिघे करने का निश्चय किया है.

16,500 रुपये मूल्य का गांजा ज़ब्त

पनवेल. पनवेल शहर पुलिस ने एक मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई में एक संदिग्ध के साथ 16,500 रुपये मूल्य का 825 ग्राम गांजा ज़ब्त किया है। यह कार्रवाई 13 अगस्त, 2025 को दोपहर 12:30 बजे सोसाइटी नाका ब्रिज इलाके में की गई।

पुलिस के अनुसार, जब डीबी स्क्वॉड 2 पनवेल शहर में गश्त कर रहा था, तभी सोसाइटी नाका ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति संदिग्ध रूप से घूमता हुआ दिखाई दिया। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसके पास से 825 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पंचायत की मौजूदगी में जाँच के बाद संबंधित सामान ज़ब्त कर लिया गया। ज़ब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 16,500 रुपये है। इस मामले में आरोपी कुमार टीपा रेड्डी (उम्र 40, निवासी इंदिरानगर झुग्गी बस्ती, पनवेल) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जाँच में पता चला कि वह गांजा बेचने के धंधे में शामिल था।

लापता लड़कियों की तलाश में पुलिस असफल

- मंगलवार को ठाणे पुलिस आयुक्तालय के सामने धरना

उल्हासनगर. लापता लड़कियों की तलाश में पुलिस की निष्क्रियता, अपहरण के मामलों में मूल अपराधियों तक जाँच तंत्र का न पहुँच पाना और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना के कारण उल्हासनगर और कल्याण के सामाजिक संगठन आक्रामक हो गए हैं। 'कायद्याने वागा' और 'कल्याण विकासिनी' ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए 16 सितंबर को ठाणे पुलिस आयुक्तालय के सामने धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इस विरोध प्रदर्शन के बाद भी अगर पुलिस लापता लड़कियों की तलाश और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाती है, तो संगठनों ने चेतावनी दी है कि अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल हमारा अगला कदम होगा।

पिछले कुछ महीनों में ठाणे आयुक्तालय में लापता लड़कियों के कई मामलों ने एक काला साया डाल दिया है। इनमें कल्याण से राजस्थान अपहृत रिक्शा चालक की बेटी, उत्तर प्रदेश से कल्याण आई लड़कियों का अपहरण और नाबालिग लड़कियों के लापता होने की अन्य घटनाएँ विशेष रूप से चर्चा में हैं। इन मामलों में, संबंधित खोज करने के बजाय, कुछ पुलिस थानों पर यह कहकर आरोप लगाया जा रहा है कि 'यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता'। सामाजिक संगठनों ने चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं कि कुछ मामलों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों के आरोपियों को भी रिहा कर दिया गया है।

कल्याण विकासिनी के अध्यक्ष एड. उदय रसाल और 'कायद्याने वागा' के प्रमुख राज असरोंडकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'लापता बच्चों के मामलों में पुलिस के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। हालाँकि, वास्तव में, निष्क्रियता देखी जाती है। कुछ मामलों में, आरोपियों को रिहा कर दिया गया है, जबकि कुछ जगहों पर लड़कियों की तलाश करने की कोई इच्छाशक्ति नहीं है।'

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

नए दौर से गुजर रहा है नेपाल

एक व्यापक उथल-पुथल और अराजकता के बाद नेपाल अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटता दिखने लगा है। 'जेन-जी' कहे वाले युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला अब रुक गया है और पूर्व सरकार के इस्तीफे के बाद नए शासन ने आकार लेना शुरू कर दिया है। मगर इस बीच सबसे ज्यादा फिक्र इस बात को लेकर जताई जा रही है कि क्या नेपाल में लोकतंत्र अपने ठोस रूप में मजबूत हो पाएगा।

फिलहाल नेपाल की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की को वहां की पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री बनाया गया है। चूंकि नई सरकार का नेतृत्व करने के लिए सुशीला कार्की के नाम पर प्रदर्शनकारी समूहों के बीच आम सहमति बन सकी, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जिन मुद्दों पर नेपाल में इतना बड़ा विरोध खड़ा हुआ, सबसे पहले उनके मद्देनजर ही नई सरकार समस्याओं के हल की तलाश करेगी।

दरअसल, नेपाल में राजशाही के खात्मे के बाद लोकतंत्र की जो बयार आई थी, उसमें जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के बजाय शासन में भ्रष्टाचार और अन्य वंचनाओं को दूर करने के लिए कुछ भी ऐसा नहीं किया गया, जिससे लोगों के भीतर भरोसा पैदा हो पाता। राजनीतिक अस्थिरता में एक तरह की निरंतरता कायम रहने के बीच यह बेवजह नहीं है कि धीरे-धीरे जनता के बीच असंतोष ने जड़ें जमाना शुरू कर दिया।

अब नेपाल एक बार फिर नए दौर से गुजर रहा है और यह देखने की बात होगी कि जिन उम्मीदों के साथ वहां की जनता ने बदलाव की राह तैयार करने के लिए सुशीला कार्की के हाथ में कमान दी है, वे कितनी पूरी हो पाती हैं। एक बड़ी चुनौती भारत के सामने होगी कि पिछले कुछ वर्षों में नेपाल का जैसा रवैया रहा, नाहक प्रतिद्वंद्विता पालने की कोशिश की गई, उसमें वहां नई सरकार के आने के बाद क्या बदलाव आता है।

यों बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल करने वाली सुशीला कार्की ने भारत को लेकर जैसी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, उससे नेपाल के साथ भारत के संबंधों के एक नए अध्याय की शुरूआत की उम्मीद की जा सकती है। मगर भारत के लिए यह एक संवेदनशील अवसर है कि वह नेपाल से संबंधों के मामले में अपने हित में नई रणनीति बनाए और उसी लिहाज से कूटनीतिक पहल करे।

कर प्रणाली को सरल बनाने की पहल, ऐतिहासिक कदम

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का सफर परिवर्तनकारी रहा है। 2017 में शुरू हुई इस व्यवस्था को आलोचकों ने 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर खारिज करने का भी प्रयास किया और इस पर नागरिकों तथा व्यवसायों, दोनों पर बोझ डालने का आरोप लगाया। वास्तव में असली 'गब्बर सिंह टैक्स' जीएसटी से पहले की अव्यवस्थित व्यवस्था थी। उत्पाद शुल्क, वैट और सेवा करों के एक खंडित जाल ने अकुशलता और बढ़ी हुई लागतों को जन्म दिया था। जीएसटी लागू होने के पहले ट्रक राज्य की सीमाओं पर खड़े रहते थे, छोटी कंपनियां कई फाइलिंग में ही उलझी रहती थीं और उपभोक्ताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ती थी।

जीएसटी ने इसकी जगह देश में एक एकीकृत कर प्रणाली को संभव बनाया, जिससे आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स कम हुए और एक अधिक तर्कसंगत ढांचा तैयार हुआ। अब जीएसटी 2.0 के साथ भारत ने एक निर्णायक कदम आगे बढ़ाया है, टैक्स स्लैब को सुव्यवस्थित किया है और दरों में कटौती की है। शुरुआत में जीएसटी में चार स्लैब (5, 12, 18, 28 प्रतिशत) थे। ऐसा उन राज्यों के बीच आम सहमति बनाने के लिए किया गया था, जो नई व्यवस्था के तहत होने वाले संभावित राजस्व नुकसान को वहन करने के लिए तैयार नहीं थे।

इस समझौते ने भारत को जीएसटी युग में प्रवेश करने में मदद की, लेकिन इसने जटिलता और विवादों को भी जन्म दिया, जो जीएसटी की सरलता के मूल दर्शन के विपरीत थे। जीएसटी 2.0 एक स्वाभाविक सुधार का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें दो मुख्य स्लैब (5 और 18 प्रतिशत) और विलासिता तथा अहितकर वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की कर दर की व्यवस्था की गई है। यह सुधार भी सही समय पर किया गया है। वैश्विक अनिश्चितताएं और टैरिफ युद्ध व्यवसायों के लिए बाधाएं पैदा कर रहे हैं। अनुपालन बोझ एवं कार्यशील पूंजी की रुकावटों को कम करके और बड़े पैमाने पर उपभोग तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों में टैक्स दरों को आसान बनाकर जीएसटी 2.0 आपूर्ति-पक्ष को ठीक उसी समय सहायता प्रदान करता है जब फर्मों को इसकी आवश्यकता है।

अन्य संरचनात्मक सुधारों के साथ जीएसटी 2.0 वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत को एक प्रतिस्पर्धी और स्थिर उत्पादन आधार के रूप में स्थापित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं और बड़े पैमाने पर उपभोग की जाने वाली वस्तुएं पांच प्रतिशत, जबकि प्रमुख औद्योगिक इनपुट 18 प्रतिशत कर के दायरे में आ गई हैं, जिससे घरों और फर्मों, दोनों की लागत कम होगी। दूध, पनीर और चपाती जैसी मुख्य वस्तुओं के साथ-साथ 33 से अधिक जीवनरक्षक दवाओं को पूरी तरह से कर मुक्त कर दिया गया है। आटोमोबाइल, सीमेंट और इलेक्ट्रानिक्स पर करों में भारी कटौती की गई, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

त्योहारी सीजन से पहले इसे लागू करने से घरेलू खर्च पर भी अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित होता है। एसबीआइ रिसर्च का अनुमान है कि औसत प्रभावी जीएसटी दर अब शुरुआत के 14.4 प्रतिशत से घटकर लगभग 9.5 प्रतिशत हो गई है। जीएसटी 2.0 के तहत जिन 453 वस्तुओं की दरों में बदलाव किया गया है, उनमें से 413 (91 प्रतिशत) वस्तुओं के कर में कमी आई है, और लगभग 295 वस्तुओं पर कर दर पहले के 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत या शून्य हो गई है, जो परिवारों को राहत देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

जीएसटी सुधारों के कारण कुल अतिरिक्त सकल मांग 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। समवर्ती आयकर सुधारों के साथ कुल अतिरिक्त मांग 5.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 1.6 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इससे संभावित रूप से वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। दरों में कटौती के अलावा जीएसटी 2.0 कर प्रणाली के काम करने के तरीके को बेहतर बनाने पर भी केंद्रित है। पंजीकरण को स्वचालित बना दिया गया है, रिफंड की प्रक्रिया तेज हो गई है और अस्थायी इनपुट क्रेडिट की अनुमति दी गई है, जिससे उद्यमों के लिए कार्यशील पूंजी पर दबाव घटा है।

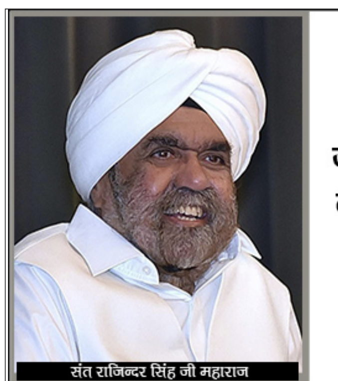

जब हम सबसे प्रेम करने लगते हैं तो हमारे अंदर एक परिवर्तन आ जाता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए बढ़ रहा खतरा

देश के विभिन्न शहरों में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर और जटिल समस्या बनता जा रहा है। हवा, पानी और जमीन में प्रदूषण के जहरीले तत्त्वों के घुलने से मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसका असर सांस एवं अन्य तरह की बीमारियों में वृद्धि और कृषि उत्पादन में कमी के रूप में भी देखा जा रहा है। इतना ही नहीं, प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में तेजी का कारण भी बन रहा है, जिससे बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें पटाखे भी शामिल हैं।

देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण को लेकर हमेशा चर्चा में रहती है, जबकि ऐसा नहीं है कि देश के अन्य शहरों में प्रदूषण कम है। दिवाली और दशहरे के मौके पर पटाखे चलाए जाने से दिल्ली समेत देश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर काफी नीचे गिर जाता है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के विनियमन की मांग पर सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए।

दरअसल, पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुआयामी है। इसमें वायु और ध्वनि प्रदूषण के अलावा मिट्टी और जल प्रदूषण भी शामिल है।

पटाखों से होने वाला वायु प्रदूषण विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इससे निकलने वाले महीन कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

पटाखे चलाने के दौरान जहरीली गैसों के अलावा प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और कई खतरनाक धातुओं के कण भी निकलते हैं, जो वातावरण और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही कार्बन डाइआक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन की गति को बढ़ाने का काम करता है। हमारी सामाजिक सोच अब ऐसी हो गई है कि त्योहार हो, विवाह समारोह हो या कोई अन्य विशेष कार्यक्रम, पटाखों के बिना उसे अधूरा माना जाता है। खुशी और उत्साह में हम यह भूल जाते हैं कि पर्यावरण में जो जहर में हम घोल रहे हैं, वह हमारे जीवन के लिए कितना खतरनाक है।

स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आइक्यूएअर की हालिया वैश्विक रपट के मुताबिक, भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश है। दुनिया के बीस सबसे प्रदूषित शहरों में से तेरह भारत में हैं। इनमें असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्नीहाट को विश्व स्तर पर सबसे प्रदूषित शहर के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके अलावा, इस सूची में दिल्ली, पंजाब का मुल्लांपुर, राजस्थान का भिवाड़ी और गंगनगर भी शामिल है। इससे साफ है कि प्रदूषण का मसला सिर्फ दिल्ली से ही नहीं जुड़ा है, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है।

इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए। इसमें दोराय नहीं कि पटाखों पर चुनिंदा तरीके से प्रतिबंध लगाने से व्यापक रूप ले चुकी इस समस्या से निजात मिलना संभव नहीं है। दिल्ली जैसे शहरों की स्थिति किसी अन्य शहर में पैदा होने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि प्रदूषण से निपटने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध की अगर कोई नीति बने, तो वह देश भर में लागू होनी चाहिए।

मां दुर्गा की मूर्ति में तवायफ के कोठों की मिट्टी क्यों मिलाई जाती है?

नवरात्रि का पर्व आते ही पूरे देश में देवी दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो जाता है. इस दौरान जौनपुर सहित पूरे

जरा हट के

पूर्वांचल में मूर्तिकार महीनों पहले से प्रतिमा निर्माण में जुट जाते हैं. श्रद्धा और आस्था से जुड़ी इस प्रक्रिया में कई परंपराएं हैं, जो आपको हैरान कर देंगी. इनमें सबसे अनोखी परंपरा है— मूर्ति निर्माण में तवायफों के कोठों की मिट्टी मिलाना. यह सुनकर भले ही किसी को आश्चर्य हो, लेकिन इसके पीछे एक रोचक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता जुड़ी हुई है. मूर्ति निर्माण की शुरुआत एक विशेष मिट्टी से होती है, जिसे "पुन्य माटी" कहा जाता है.

पीढ़ियों पुरानी परंपरा

इस मिट्टी में गंगा के किनारे की पवित्र मिट्टी के साथ उन जगहों की मिट्टी भी मिलाई जाती है, जहां तवायफों के कोठे हुआ करते थे. जौनपुर के कारीगर बताते हैं कि मान्यता है कि देवी मां की मूर्ति तभी पूर्ण होती है जब इसमें हर वर्ग और हर समाज का अंश शामिल हो. तवायफ के आंगन की मिट्टी का मिलना इस बात का प्रतीक है कि देवी मां केवल साधुओं, गृहस्थों या भक्तों की ही नहीं बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति की भी देवी हैं, जिसे समाज ने अक्सर हाशिये पर रखा है. मूर्तिकारों का कहना है कि इस मिट्टी को लाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है.

इसका धार्मिक महत्त्व यह है कि मां दुर्गा की शक्ति में किसी भी वर्ग को बाहर नहीं रखा जा सकता. समाज जिन तवायफों को उपेक्षित मानता था, उनके आंगन की मिट्टी मूर्ति में मिलाकर यह संदेश दिया गया कि देवी की कृपा सब पर समान रूप से बरसती है.

जौनपुर में नवरात्रि के दौरान सैकड़ों जगहों पर दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना होती है. मंदिरों और पंडालों में सजने वाली प्रतिमाओं का आकर्षण देखने लायक होता है. मां दुर्गा की आंखों की रेखाएं खींचने से लेकर उनकी हथियारों की सजावट तक, सब कुछ बड़ी बारीकी से किया जाता है. मूर्ति निर्माण की इस लंबी प्रक्रिया में मिट्टी का चयन सबसे अहम चरण माना जाता है. यही कारण है कि 'पुन्य माटी' की परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा से निभाई जाती है.

खाना-खजाना

मटर-मशरूम की सब्जी

सामग्री :

- 250 ग्राम मशरूम
- 1 कप हरी मटर
- 2 बड़े प्याज, बारीक कटे हुए
- 2 टमाटर, कटे हुए या प्यूरी
- 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- 1/2 कप दही
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर (स्वादानुसार)
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- नमक स्वादानुसार
- 2-3 बड़े चम्मच तेल या घी
- 1/2 चम्मच जीरा
- 1 तेजपत्ता
- 1 दालचीनी का टुकड़ा
- 2-3 हरी इलायची

विधि :

सबसे पहले, मशरूम को अच्छी तरह से धोकर टुकड़ों में काट लें। अगर फ्रोजन मटर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें उबाल लें। अब एक कढ़ाई में तेल या घी गरम करें और जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी और इलायची डालकर भूनें।

अब बारीक कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट तक और भूनें।

इसके बाद टमाटर की प्यूरी डालें और तब तक पकाएं जब तक मसाला तेल न छोड़ दे।

अब हल्दी, धनिया, और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा पानी डालकर मसाले को कुछ देर तक पकाएं ताकि वह जले नहीं।

अब कटे हुए मशरूम और उबली हुई हरी मटर डालें। इसे अच्छी तरह से मिलाएं और 5-7 मिनट तक ढककर धीमी आंच पर पकने दें।

अब दही डालने से पहले आंच धीमी कर दें और दही को अच्छी तरह फेंटकर डालें ताकि वह फटे नहीं। आखिर में, गरम मसाला और नमक डालें। अच्छी तरह मिलाकर 2-3 मिनट और पकाएं। सब्जी को हरा धनिया से सजाकर गरमागरम परोसें।

तेजी से बढ़ रहा है अपेंडिक्स कैंसर का खतरा

हाल ही में एक स्टडी में पता चला है कि मिलेनियल्स में अपेंडिक्स कैंसर का खतरा ज्यादा है। हालांकि अपेंडिक्स कैंसर की ओर लोगों का ध्यान कम ही जाता है और कई बार तो इसका पता भी गलती से लग जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अपेंडिक्स कैंसर के लक्षण कैसे होते हैं और इसके रिस्क फैक्टर्स कैसे होते हैं।

स्टडी में पता चला है कि जेन एक्स और मिलेनियल्स में अपेंडिक्स कैंसर होने का रिस्क चार गुणा ज्यादा है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपेंडिक्स कैंसर के लक्षण और कारणों को जानें, ताकि वक्त पर इसकी पहचान की जा सके। आइए जानें कैसे होते हैं इसके लक्षण और इसके कारण क्या हैं।

अपेंडिक्स कैंसर के लक्षण कैसे होते हैं?

अपेंडिक्स कैंसर के लक्षण कई बार बिल्कुल भी साफ नहीं होते हैं और अक्सर तब तक नहीं दिखाई देते जब तक कैंसर फैलना शुरू नहीं हो जाता। कई मामलों में, इसका पता गलती से चलता है, जब मरीज का किसी अन्य समस्या, जैसे अपेंडिसाइटिस या पेल्विक सर्जरी, के लिए ऑपरेशन होता है।

पेट में दर्द- यह सबसे आम लक्षण है। दर्द अक्सर पेट के दाईं ओर निचले हिस्से में होता है, जहां अपेंडिक्स स्थित होती है। यह दर्द हल्का, स्थिर या फिर तेज और ऐंठन जैसा हो सकता है।

पेट का फूलना और सूजन- पेट में बार-बार फूलना या सूजन महसूस होना एक अहम संकेत हो सकता है। जैसे-जैसे ट्यूमर बढ़ता है या कैंसर फैलता है, यह सूजन और साफ हो सकती है।

एसाइटिस- पेट में फ्लूड का जमा होने की वजह से पेट सख्त और बढ़ा हुआ लग सकता है और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

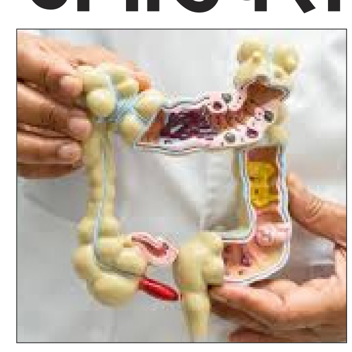

मतली और उल्टी- बिना किसी कारण के लगातार मतली आना या उल्टी होना।

भूख में कमी- अचानक वजन कम होना और बिना किसी कारण भूख न लगना।

मल त्याग में बदलाव- लंबे समय तक कब्ज या दस्त की शिकायत होना।

अपेंडिसाइटिस जैसे लक्षण- कई बार ट्यूमर की वजह से एक्यूट अपेंडिसाइटिस के लक्षण, जैसे- तेज दर्द, बुखार आदि दिखाई देते हैं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि ये सभी लक्षण कई अन्य सामान्य और कम गंभीर बीमारियों जैसे इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम (IBS), इन्फेक्शन, या सूजन संबंधी बीमारियों में भी देखे जा सकते हैं।

अपेंडिक्स कैंसर के कारण क्या हैं?

अपेंडिक्स कैंसर के सटीक कारण अभी तक पूरी तरह से पता नहीं हैं। यह तब शुरू होता है जब अपेंडिक्स के सेल्स के डीएनए में म्यूटेशन होते हैं। इसके कारण सेल्स अनियंत्रित रूप से तेजी से बढ़ने और डिवाइट होने लगते हैं और ट्यूमर बना लेती हैं।

अपेंडिक्स कैंसर के रिस्क फैक्टर्स क्या हैं?

उम्र- अपेंडिक्स का कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन यह 40-50 वर्ष की उम्र के लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है।

लिंग- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके होने की संभावना थोड़ी ज्यादा देखी गई है।

स्मोकिंग- सिगरेट और तंबाकू अपेंडिक्स कैंसर के जोखिम को बढ़ा देते हैं।

पारिवारिक इतिहास- ऐसे परिवार जिनमें एक से ज्यादा सदस्यों को अपेंडिक्स कैंसर हुआ हो, उनमें इसका जोखिम बढ़ सकता है।

कुछ हेल्थ कंडीशन- ऐसा माना जाता है कि पेरिटोनियल कार्सिनोमैटोसिस या न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर जैसी स्थितियां भी इसके रिस्क फैक्टर्स हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : प्रेम–प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृषभ : संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन–देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

मिथुन : सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार–व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

कर्क : विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

सिंह : यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दु:खद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या : प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान–सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें। काम–धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच–समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख–शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

धनु : कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन–देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद–विवाद से दूर रहें।

मकर : लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

कुंभ : तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम–प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल–मिलाप बढ़ेगा। अधिकारी वर्ग में महत्व बढ़ेगा।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वेजिटेरियन हैं, तो जरूर खाएं ये 5 चीजें; शरीर में नहीं होगी आयरन की कमी

क्या आप वेजिटेरियन हैं और सोचते हैं कि आयरन की कमी आपको हो सकती है? तो यह आर्टिकल आपके लिए ही है। दरअसल, आयरन हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है, जो पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है। अगर आप नॉन वेजिटेरियन नहीं हैं, तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आपको आयरन की कमी हो सकती है। जी हां, प्रकृति ने हमें बहुत–से ऐसे वेजिटेरियन फूड्स दिए हैं, जिनमें आयरन भरपूर मात्रा में होता है।

पालक

जब भी आयरन की बात आती है, तो सबसे पहले पालक का नाम आता है। पालक में आयरन के साथ-साथ विटामिन-सी भी होता है, जो आयरन को शरीर में आसानी से अवशोषित करने में मदद करता है। आप पालक को सब्जी, सलाद, सूप या जूस के रूप में खा सकते हैं। इसे दाल के साथ मिलाकर भी खाया जा सकता है।

दालें और फलियां

मसूर, चना, राजमा, और सोयाबीन जैसी दालें और फलियां आयरन का बहुत बड़ा स्रोत हैं। एक कप पकी हुई दाल में काफी मात्रा में आयरन पाया जाता है। अपनी रोज की डाइट में अलग-अलग तरह की दालों को शामिल करें। राजमा-चावल या चना-मसाला सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि आयरन से भरपूर भी होते हैं।

सूखे मेवे और सीड्स

अंजीर, खजूर, और किशमिश जैसे सूखे मेवे आयरन से भरपूर होते हैं। इन्हें स्नैक्स के रूप में खाएं या नाश्ते में शामिल करें। इसके अलावा, कद्दू के बीज, तिल के बीज, और चिया सीड्स भी आयरन के अच्छे सोर्स हैं। इन्हें अपने सलाद, दलिया या स्मूदी में मिला सकते हैं।

डार्क चॉकलेट

यह जानकर आपको बहुत खुशी होगी कि डार्क चॉकलेट भी आयरन का एक अच्छा स्रोत है। 70% या उससे ज्यादा कोको वाली डार्क चॉकलेट में काफी मात्रा में आयरन होता है। तो अब आप बिना किसी गिल्ट के अपनी पसंदीदा चॉकलेट का एक छोटा टुकड़ा खा सकते हैं।

टोफू

टोफू आपके लिए एक शानदार ऑप्शन है। टोफू में आयरन के साथ-साथ कैल्शियम और प्रोटीन भी होता है। आप इसे करी, सलाद या भुर्जी के रूप में खा सकते हैं। यह न केवल आपके खाने में स्वाद बढ़ाएगा, बल्कि आपके शरीर को मजबूत भी बनाएगा।

नहीं खिल रहा अपराजिता?

घर पर बनाएं ये जादुई लिक्विड

अक्सर अपराजिता के पौधे में सिर्फ पत्तियां निकलती हैं, लेकिन फूल बहुत कम आते हैं. इसका कारण मिट्टी में पोषण की कमी होती है. अगर पौधे को सही खाद और देखभाल मिले तो फूल जल्दी आने लगते हैं.

फूल लाने के लिए आप घर पर ही आसान लिक्विड फर्टिलाइजर बना सकते हैं. यह पूरी तरह प्राकृतिक और सस्ता होता है. इससे पौधे की जड़ों को ताकत मिलती है और कुछ ही दिनों में पौधा फूलों से भर जाता है.

इस खाद को तैयार करने के लिए 2 चम्मच इस्तेमाल की हुई चायपत्ती, 2 केले के छिलके और 3-4 प्याज के छिलके लें. इन सबको छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. यह सारी सामग्री पौधों के लिए प्राकृतिक पोषण का काम करती है.

कटे हुए छिलके और चायपत्ती को 1 लीटर पानी में डाल दें और 3-4 दिन तक किसी ढक्कन वाले बर्तन में रख दें. इस दौरान यह सड़कर कंपोस्ट घोल बन जाएगा. यही घोल पौधों में फूल बढ़ाने का काम करता है.

जब घोल तैयार हो जाए तो उसे छानकर उसमें 2 लीटर और पानी मिला लें. अब पौधे की मिट्टी को हल्का खोदकर उसमें 150-200 ml घोल डालें. ऐसा करने से पौधे की जड़ों को पूरा पोषण मिलता है.

इस लिक्विड फर्टिलाइजर को हर 15-20 दिन पर एक बार डालें. नियमित उपयोग से पौधा बहुत जल्दी असर दिखाने लगेगा. कुछ ही दिनों में पौधे की टहनियां मजबूत होंगी और फूलों की संख्या दोगुनी हो जाएगी.

यह घोल सिर्फ अपराजिता में ही नहीं बल्कि हरसिंगार, गुड़हल, पारिजात और गुलाब जैसे फूलों वाले पौधों में भी असरदार है. इसे इस्तेमाल करने से पौधे हरे-भरे और स्वस्थ रहते हैं और खूब सारे फूल देते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

सुप्रीम कोर्ट बोला- गड़बड़ी मिली तो SIR रद्द कर देंगे

- बिहार पर फैसला टुकड़ों में नहीं दे सकते
- ये पूरे देश में लागू होगा

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को बिहार में SIR (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा- हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में SIR के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह बिहार SIR पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकती। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में SIR पर लागू होगा। मामले पर 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी।

इससे पहले 8 सितंबर को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार SIR के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा कि आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

आधार मानने वाले BLO को आयोग नोटिस भेज रहा

- 8 सितंबर को सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में कांग्रेस लीडर और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा था- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा।
- अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है।
- चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है। आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।
- इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा। जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है।
- जिसके जवाब में कपिल सिब्बल ने कहा- ये आपके दस्तावेज हैं, इस पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी का साइन है। अब इस मामले में अगले सोमवार यानी 15 सितंबर को सुनवाई होगी।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

- सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है। CJI बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस ने कहा, वक्फ पर उच्चतम न्यायालय का आदेश मूल क़ानून में अंतर्निहित 'शरारतपूर्ण मंशा' को खत्म करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करने वाला है।

कांग्रेस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद लोगों की जमीनें सुरक्षित हो जाएंगी। कांग्रेस का कहना है कि यह फैसला सरकार की साजिश पर लगाम लगाने वाला है।

वहीं केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है क्योंकि अगर संसद में कोई कानून बनता है तो इसे खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने जो भी फैसला दिया है वह हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि अगर देश के शीर्ष न्यायालय से कोई फैसला आता है तो इसका बड़ा असर होता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय का आदेश संसद में इसका विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के साथ ही संयुक्त संसदीय समिति के उन सदस्यों की भी जीत है जिन्होंने इसको लेकर विस्तार से अपने असहमति पत्र प्रस्तुत किए थे।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक पर न्यायालय के फैसले से साफ हो गया है कि इस मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के असहमति पत्रों को तब भले ही नकार दिया गया हो लेकिन आज वे सभी असहमतियां सही साबित हुई हैं।

BMW चालक महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली. दिल्ली छावनी मेट्रो स्टेशन के पास बीएमडब्ल्यू कार हादसे में जान गंवाने वाले वित्त मंत्रालय के अफसर नवजोत सिंह की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा ऐक्शन लिया है। बीएमडब्ल्यू कार की ड्राइवर गगनप्रीत कौर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक जैसे ही हादसे की आरोपी महिला को अस्पताल से छुट्टी मिली, पुलिस ने उसे अस्पताल से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में उप सचिव 52 साल के नवजोत सिंह की रविवार दोपहर हुई दुर्घटना में मौत हो गई.

खबरें गांव की...

बहराइच में आदमखोर की दहशत, युवक पर किया हमला, एक हफ्ते के भीतर तीसरा शिकार

बहराइच. यूपी के बहराइच में आदमखोर तेंदुए की दहशत खत्म होने की नाम नहीं ले रही है। रविवार को कर्तनियाघाय वन्य प्रभाग में एक युवक पर तेंदुए ने हमला बोल दिया। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं, एक हफ्ते के भीतर तेंदुए का यह तीसरा शिकार है। जिसे लेकर लोगों में खौफ है। ये घटना धर्मापुर रेंज के मुर्तिहा कोतवाली क्षेत्र के हरखापुर ग्राम के मजरा तिरमुहानी का है। 26 साल का इंदल रविवार रात लगभग आठ बजे अपने घर से नित्य क्रिया के लिए बाहर गए था। पुलिस के अनुसार, इंदल जब झाड़ियों के पास पहुंचा तो वहां छिपे एक तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इंदल के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

प्यार में कातिल बनी बीवी, प्रेमी के संग मिलकर पति को पिलाई शराब, फिर दबा दिया गला

महराजगंज. यूपी के महराजगंज से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां निचलौल थाना क्षेत्र के चर्चित नागेश्वर हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दी। इस मामले में पुलिस ने मृतक नागेश्वर रौनियार की पत्नी नेहा रौनियार व उसके प्रेमी जितेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने मिलकर पहले नागेश्वर को शराब पिलाई, फिर गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद नागेश्वर के शव को सड़क पर फेंककर हादसा दिखाने की कोशिश की। पुलिस कार्यालय में रविवार को एसपी सोमेंद्र मीना ने इस हत्याकांड का खुलासा किया। बताया कि 12/13 सितंबर की रात करीब 3 बजे सूचना मिली कि निचलौल थाना क्षेत्र के दमकी गैस एजेंसी के पास एक युवक मृत अवस्था में पड़ा है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख की गला रेतकर हत्या

बुलंदशहर. उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां कोतवाली खुर्जा नगर क्षेत्र के जंक्शन रोड स्थित जाहिदपुर कला में बने कार्यालय में खुर्जा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद चौधरी की गला रेतकर नृशंस हत्या कर दी। दुकान के पीछे बने मकान में बिस्तर पर लहूलुहान अवस्था में विनोद चौधरी का शव मिला। हत्यारोपित कार्यालय में लगे सीसीटीवी के डीवीआर भी ले गए। सोमवार की सुबह गांव रामगढ़ी निवासी खुर्जा और जेवर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद चौधरी(50 वर्ष) पुत्र महेंद्र सिंह का शव उनके भाई बंटी ने जंक्शन रोड स्थित गांव जाहिदपुर कला में बने कार्यालय में पड़ा हुआ देखा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख की गला रेतकर हत्या की गई। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित कर स्थिति से अवगत कराया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जहां पर कैमरे की डीवीआर भी गायब मिली। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अयोध्या से वाराणसी जा रही बस जौनपुर में ट्रेलर से टकराई, चार की मौत; नौ घायल

जौनपुर. उत्तर प्रदेश के जौनपुर में छत्तीसगढ़ के दर्शनार्थियों से भरी एक बस भीषण सड़क हादसे की शिकार हो गई। इसमें चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि नौ लोग बुरी तरह से घायल हैं। अयोध्या में दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु बस से वाराणसी जा रहे थे। जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर के पास उनकी बस ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर होते ही चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य श्रद्धालुओं का इलाज जारी है। नौ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टर उनके इलाज में जुटे हैं। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के करीब 40 दर्शनार्थी बस में सवार थे। वे अयोध्या से दर्शन करके वाराणसी जा रहे थे। वहां उन्हें श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने थे। सोमवार तड़के तीन बजे के करीब बस जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग के पास पहुंची थी।

मोदी ने कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का किया उद्घाटन

- सम्मेलन में देश की सुरक्षा पर चर्चा
- पीएम का एक महीने में दूसरा बंगाल दौरा

कोलकाता. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वीं कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) का उद्घाटन किया। कॉन्फ्रेंस सेना की पूर्वी कमान के हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम कोलकाता में 15 से 17 सितंबर तक होगा। इस साल की थीम- 'ईयर ऑफ रिफॉर्म्स – भविष्य के लिए ट्रांसफॉर्मेशन' है।

इस साल कॉन्फ्रेंस का 16वां संस्करण है। यह सेना का सबसे बड़ा विचार-विमर्श का मंच है। इसमें सेना के अधिकारी और सरकार के मंत्री देश की सुरक्षा और रणनीति पर चर्चा करते हैं। तीनों सेनाओं के प्रमुख इसमें शामिल हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, NSA अजित डोभाल, CDS जनरल अनिल चौहान और मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। पीएम मोदी रविवार शाम कोलकाता पहुंचे थे। पिछले एक महीने में यह उनका दूसरा बंगाल दौरा है।

संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना का सबसे बड़ा रणनीतिक मंच है। इसमें देश की तीनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारी और केंद्र सरकार के बड़े मंत्री मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा नीतियों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करते हैं। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सेना और सरकार के मंत्रियों को एक साथ लाकर रक्षा से जुड़ी चुनौतियों, आधुनिकीकरण, नई तकनीक और भविष्य की युद्ध-तैयारी पर विचार करना होता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हर थाने में CCTV जरूरी

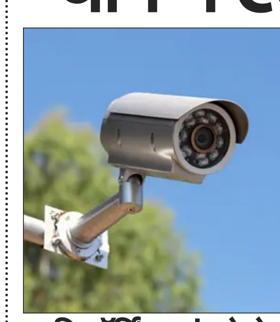

- रिकॉर्डिंग जांचने के लिए कंट्रोल रूम बने, जिसमें इंसानी दखल कम हो
- फैसला 26 सितंबर को

> "जस्टिस संदीप मेहता ने कहा– पुलिस थानों की भी प्राइवेट एजेंसी से जांच करवानी चाहिए। हम IIT's को शामिल कर ऐसी सिस्टम बनाने पर विचार कर सकते हैं। वे हमें ऐसा सॉफ्टवेयर दें, जिससे हर सीसीटीवी फीड की निगरानी की जा सके। यह निगरानी भी मानवीय न होकर, पूरी तरह से AI बेस्ड हो।"

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे की कमी से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि थानों में CCTV न होने से निगरानी में मुश्किल हो रही है। कोर्ट ने राजस्थान से जुड़ी दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट पर एक्शन लेते हुए सुनवाई की।

इस मामले में फैसला 26 सितंबर को आएगा। बेंच अपने आदेश में पुलिस स्टेशन और जांच एजेंसियों के दफ्तरों में CCTV कैमरे लगवाने को लेकर राज्यों और केंद्र सरकार को भी निर्देश दे सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह मुद्दा निगरानी का है। कल को अधिकारी थाने में कैमरे बंद कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा कंट्रोल रूम चाहते हैं, जिसमें इंसानी दखल कम से कम हो।

दरअसल, 4 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट पर एक्शन लिया था, जिसमें राजस्थान में पिछले 8 महीनों में पुलिस कस्टडी में हुई 11 मौतों का जिक्र था। उनमें से 7 सिर्फ उदयपुर डिवीजन में हुई थीं।

सावधान! वापसी से पहले उग्र हुआ मॉनसून

- जमकर होने वाली है बारिश; इन इलाकों में अलर्ट

नई दिल्ली. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून राजस्थान के कुछ हिस्सों से वापस हो गया है। अगले 2-3 दिनों में राजस्थान, पंजाब और गुजरात के कुछ और इलाकों से मॉनसून के वापस होने की संभावना है। इस बीच, तेलंगाना और विदर्भ के आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है जो अगले कुछ दिनों में पश्चिम-उत्तर की ओर बढ़कर विदर्भ की ओर जा सकता है। इसके अलावा, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ऊपरी हवा में चक्रवाती हलचल देखी जा रही है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से देश के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश और तूफान की स्थिति बनी रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम बारिश होगी। साथ ही, गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 15-19 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) चल सकती हैं। पूर्व और मध्य भारत में मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार और अन्य क्षेत्रों में 18 सितंबर तक भारी बारिश होगी। पश्चिम भारत में गोवा, महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 15-16 सितंबर को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। उत्तर-पश्चिम भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15-20 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने दिल्ली में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। साथ ही, अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 डिग्री सेल्सियस और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

ठीक नहीं हुआ मरीज तो हर बार डॉक्टर नहीं जिम्मेदार

- महिला की मौत पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई मरीज ठीक नहीं होता है तो इसके लिए हर बार डॉक्टर को ही लापरवाही का जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। जस्टिस संजय कुमार और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि अगर किसी फिजीशियन के इलाज से मनचाहा परिणाम नहीं मिल रहा है या फिर सर्जरी फेल हो जाती है, केवल इसी बुनियाद पर डॉक्टर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि जब तक कोई पुख्ता कारण ना हो डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप बेबुनियाद ही हैं। बच्चे को जन्म देते वक्त एक महिला की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा, मार्टिन एफ डिसूजा बनाम मोहम्मद इशफाक केस में भी यही कहा गया था कि कोई भी जिम्मेदार प्रोफेशनल कभी नहीं चाहेगा कि उसके मरीज को नुकसान हो.

पाकिस्तानी खिलाड़ियों से सूर्या ने हाथ नहीं मिलाया

- टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम गई, दरवाजा बंद कर लिया
- निराश पाक कप्तान प्रेजेंटेशन सेरेमनी में नहीं पहुंचे

भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस के दौरान या जीत के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया। इससे निराश होकर पाकिस्तान कप्तान सलमान आगा मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ही शामिल नहीं हुए। पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने के सवाल पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, एशिया कप के मामले में BCCI और सरकार का रुख साफ है। इसी के तहत बतौर टीम मैनेजमेंट हमने फैसला लिया।

वहीं, पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा, हमारी टीम मैच के बाद हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में पता चला कि भारत ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

PCB ने शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने मैच के कुछ घंटे बाद एक बयान में कहा, हमारे टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया, क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था। फिलहाल मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे- सूर्या

इसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 127 रन बनाए। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 .5 ओवर में 131 रन बनाकर जीत हासिल की। सूर्या ने छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। सूर्या ने यह जीत भारतीय सेना को समर्पित की, जो मई में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल थे।

यूट्यूबर की पिटाई पर तेजस्वी सुपर एक्टिव

दरभंगा. यूट्यूब पत्रकार दिलीप सहनी के साथ मारपीट के मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पटना से दरभंगा पहुंच गए और सिंहवाड़ा थाने पर पहुंचकर अपने सामने एफआईआर दर्ज कराया।

आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के मंत्री जीवेश मिश्रा ने दिलीप सहनी की पिटाई करवाई है। उन्होंने यूट्यूबर को न्याय दिलाने के लिए आन्दोलन की चेतावनी दी। रविवार को दरभंगा में मंत्री जीवेश मिश्रा की गाड़ी पर हमले की खबर आई थी। मंत्री के सुरक्षा कर्मियों की ओर से भी शिकायती आवेदन थाने में दिया गया है। दरभंगा पहुंचने से पहले तेजस्वी यादव ने पटना में इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया।

मणिपुर के चुराचांदपुर में फिर बिगड़ा माहौल

- कुकी नेता के घर में भीड़ ने लगाई आग

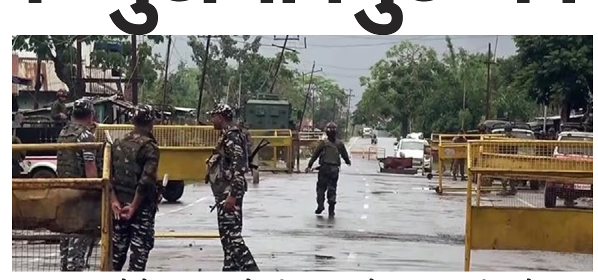

इंफाल. मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में माहौल फिर खराब हो गया है। रविवार देर रात यहां भीड़ ने कुकी नेता कैल्विन ऐखेंथांग के घर में आग लगा दी। कैल्विन कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (KNO) के नेता हैं, जो केंद्र सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस समझौते का हिस्सा है। हालांकि, चुराचांदपुर के कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। अधिकारियों के मुताबिक, एक अन्य कुकी नेता गिंजा वुआलजोंग के घर पर भी कुछ उपद्रवियों ने हमला करने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने समय रहते हस्तक्षेप कर उनके घर को आग से बचा लिया। गिंजा कुकी काउंसिल और इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के प्रवक्ता हैं।

दो प्रमुख कुकी-जो समूहों ने केंद्र सरकार के साथ SoO समझौते पर दोबारा बातचीत के बाद हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत उन्होंने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने, संवेदनशील इलाकों से अपने कैंप हटाने और राज्य में स्थायी शांति व स्थिरता लाने के लिए काम करने का वादा किया। KNO और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (UPF) के साथ इस समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली की उम्मीद थी। कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने नेशनल हाईवे-2 को यात्रियों और जरूरी सामानों की आवाजाही के लिए खोलने का भी फैसला लिया था, जो मणिपुर से होकर गुजरता है। मगर, सोमवार को KZC ने कहा कि उन्होंने NH-2 को पूरी तरह से खोलने की कोई घोषणा नहीं की है और न ही इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही की इजाजत दी है।

कुकी-जो काउंसिल ने जारी की चेतावनी

कुकी-जो काउंसिल ने अपने बयान में कहा, 'हमने सिर्फ कांगपोकपी जिले के लोगों से सुरक्षा बलों का सहयोग करने को कहा था, ताकि NH-2 पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।' काउंसिल ने कहा कि केंद्र के बयान को गलत समझा गया, जिससे बेवजह भ्रम फैला। KZC ने यह भी कहा कि मेइतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच अभी कोई समझौता नहीं हुआ है। इसलिए दोनों पक्षों के लोगों को एक-दूसरे के इलाकों में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कुकी-जो इलाकों का सम्मान करना जरूरी है। किसी भी तरह का उल्लंघन गंभीर नतीजे होंगे। शांति व सुरक्षा की स्थिति और बिगड़ सकती है।

अंबानी के वनतारा को SC ने क्लीनचिट दी

- कहा- जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी
- जैन मठ से हथिनी की शिफ्टिंग पर विवाद

SIT ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंपी

4 सदस्यीय SIT का नेतृत्व पूर्व जज जस्टिस जे. चेलमेश्वर ने किया था और टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान (पूर्व चीफ जस्टिस, उत्तराखंड व तेलंगाना HC), पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल थे।

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'जामनगर स्थित वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में जानवरों की खरीद-बिक्री नियमों के दायरे में हुई है।' इस सेंटर को अंबानी परिवार का रिलायंस फाउंडेशन चलाता है।

कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच दल (SIT) की रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, अब इस मामले को बार-बार उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। स्वतंत्र समिति ने जांच की है और हम उसी पर भरोसा करेंगे।

इससे पहले SC ने 26 अगस्त को 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन (PIL) पर SIT बनाने का आदेश दिया था। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के जैन मठ से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी।

SIT रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी

वनतारा के वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए। उनका तर्क था कि अगर रिपोर्ट बाहर आई तो न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अखबार उसका केवल कुछ हिस्सा छापकर गलत नैरेटिव बना देंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी। SIT ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंप दी थी। कोर्ट ने SIT की सराहना की और कहा कि समिति को मानदेय भी दिया जाए।

प्रदर्शनकारियों ने सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा

- कहा- हमने बैठाया, हटाने में वक्त नहीं लगेगा
- बिना सलाह के मंत्री चुनने का आरोप

नेपाल में Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा, अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीनियर वकील ओमप्रकाश आर्यल सरकार में दखलअंदाजी कर रहे हैं। गुरुंग का आरोप है कि आर्यल ने खुद को गृहमंत्री बनाने का फैसला किया है। ओमप्रकाश आर्यल काठमांडू के मेयर बालेन शाह के करीबी माने जाते हैं।

संक्षेप...

शुक्रवार को कुछ हिस्सों में जलापूर्ति नहीं

ठाणे. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम की जल आपूर्ति योजना के अंतर्गत, जांभुल जल शोधन केंद्र के जलाशय में 12वें ग्रेविटी चैनल संख्या 1, 2 और 3 पर चैनलों के उन्नयन और तत्काल रखरखाव के लिए शटडाउन लिया जाएगा। इसलिए, ठाणे मनपा क्षेत्र के कलवा, मुंब्रा, दिवा, वागले और माजीवाडा-मानपाड़ा प्रभाग समितियों के कुछ हिस्सों में शुक्रवार, 19 सितंबर को जलापूर्ति बंद रहेगी।12वें ग्रेविटी चैनल संख्या 1 पर चैनलों के उन्नयन और तत्काल रखरखाव के लिए गुरुवार, 18 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे से शुक्रवार, 19 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जलापूर्ति बंद रहेगी। कलवा प्रभाग समिति, साथ ही रूपादेवी पाड़ा, किसननगर क्रमांक 2, वागले प्रभाग समिति के अंतर्गत नेहरू नगर और मानपाड़ा प्रभाग समिति के अंतर्गत कोलशेत खालचा गाँव में 24 घंटे के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी।जलापूर्ति शुरू होने के बाद, अगले 1 से 2 दिनों तक कम दबाव पर पानी की आपूर्ति की जाएगी।

मुंबई में 10 रूटों पर शुरू होगा जल परिवहन

■ 4 रूट नए हवाई अड्डे को जोड़ा जाएगा

नवी मुंबई। मैरीटाइम बोर्ड ने मुंबई महानगर क्षेत्र में मौजूदा 12 जल परिवहन मार्गों के विस्तार और सुधार के साथ-साथ 10 नए मार्गों पर जल परिवहन सेवाएँ शुरू करने का निर्णय लिया है। डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने के लिए आमंत्रित निविदा में कोच्चि मेट्रो रेल को एकमात्र निविदा प्राप्त हुई थी। डीपीआर जमा होने के बाद, 10 नए मार्गों पर स्पीड बोट, रो-रो सेवाएँ और वाटर टैक्सियाँ चलती दिखाई देंगी। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को चार नए मार्गों से जोड़ा जाएगा और जल परिवहन मार्ग शुरू किए जाएंगे, डीपीआर तैयार करते समय क्षेत्र में नदियों और खाड़ियों का अध्ययन, गहराई बढ़ाना, चट्टानों को हटाना, यात्रियों की संख्या और पर्यावरण पर प्रभाव सभी को ध्यान में रखा जाएगा।

मुंबई - नवी मुंबई के साथ-साथ श्रमिक कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, भिवंडी, मीरा-भायंदर-वसई और निकटवर्ती उरण जैसे बंदरगाहों तक कैटामारन, स्पीड बोट और रो-रो पैक द्वारा यात्रा कर सकेंगे। वर्तमान में, भाऊचा धक्का से रेवास, करंजा, मोरा, धरमतर मार्ग पर यात्री जल परिवहन सेवा संचालित हो रही है। इससे यात्रा की दूरी कम होगी, ईंधन और समय की बचत होगी, तथा प्रदूषण और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

हालांकि कहा जा रहा है कि 12 मार्ग पर जल परिवहन चल रहा है, लेकिन तीन रूट केवल कागज़ों पर हैं। इनमें से न्यू फेरी व्हार्फ-मोरा, न्यू फेरी व्हार्फ-रेवास और बेलापुर-नेरुल केवल कागजों पर हैं, जबकि अर्नाला फोर्ट, वसई-भायंदर, वर्सोवा-मढ़, गोराई-बोरीवली, बोरीवली-एस्सेल वर्ल्ड, मार्वे-मनोरी, गेटवे ऑफ इंडिया-मांडवा, गेटवे ऑफ इंडिया-एलिफेंटा को बेहतर बनाया जाएगा। वसई से काल्हेर मार्ग वसई-मीरा भयंदर-फाउंटेन जंक्शन, गायमुख, नगला बंदर, काल्हेर होगा जबकि कल्याण से कोलशेत मार्ग से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। इसका साथ ही कल्याण-मुंब्रा-काल्हेर-कोलशेत को जोड़ा जाएगा। कल्हेर-मुलुंड-ऐरोली-वाशी-नवी मुंबई हवाई अड्डा मार्ग पर निम्नलिखित स्थान होंगे। जलमार्ग से वाशी से नवी मुंबई हवाई अड्डा, बेलापुर से नवी मुंबई हवाई अड्डा, गेटवे ऑफ इंडिया से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक ,गेटवे ऑफ इंडिया से वाशी तक वसई से मार्वे तक बोरीवली से बांद्रा मार्ग बोरीवली-मार्वे-वर्सोवा-बांद्रा होगा तथा बांद्रा से नरीमन प्वाइंट मार्ग बांद्रा-वर्ली-नरीमन प्वाइंट होगा।

संदेश दादासाहेब पाटिल ने न्यायाधीश पद की ली शपथ

ठाणे. ठाणे निवासी वरिष्ठ अनुभवी वकील संदेश दादासाहेब पाटिल ने मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद का शपथ ली।

मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने संदेश दादासाहेब पाटिल को शपथ दिलाई।मूल रूप से सांगली निवासी संदेश दादासाहेब पाटिल पिछले 26 वर्षों से कानूनी पेशे में कार्यरत हैं। उन्होंने 1999 में अपना करियर शुरू किया था।वह घोड़बंदर के निवासी हैं और कई वर्षों से चरई परिसर में उनका कार्यालय है। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से बी.कॉम, एलएलबी, एलएलएम की पढ़ाई की है।

अब तक वह 4000 से अधिक मामलों को संभाल चुके हैं और अपराधिक और दीवानी मामलों के एक अनुभवी वकील के रूप में जाने जाते हैं। पाटिल ने सीबीआई, एनआईए, ईडी, एफसीए, एसआरए जैसी केंद्रीय एजेंसियों के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किया है।

आवारा कुत्तों के हमले में 5 लोग घायल

कल्याण: कल्याण के गोविंदवाड़ी में वल्लीपीर रोड पर आवारा कुत्तों के हमले में एक छोटे लड़के समेत कम से कम पाँच लोग घायल हो गए। गोविंदवाड़ी निवासी और घायलों में से एक, सैय्यद मोहसिन ने कहा: "मैं दोपहर के भोजन के बाद घर से निकला और अपनी मोटरसाइकिल की ओर जा रहा था, तभी एक आवारा कुत्ते ने मेरा पीछा किया और मेरे पैर में काट लिया। मैं किसी तरह बचकर भागा और इलाज के लिए अस्पताल पहुँचा। बाद में, मुझे पता चला कि मुझ समेत पाँच लोगों को कुत्ते ने काटा है। ट्यूशन क्लास जा रहे एक छोटे लड़के पर भी हमला हुआ, लेकिन एक राहगीर ने उसे बचा लिया।"

जिला परिषद इंजीनियर एसोसिएशन ने मनाया अभियंता दिवस

ठाणे. भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर जिला परिषद ठाणे एवं महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद इंजीनियर्स एसोसिएशन की ओर से संयुक्त रूप से आज 15 सितंबर को समिति भवन, बी. जे. हाई स्कूल में अभियंता दिवस एवं आदर्श अभियंता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में, "इंजीनियरों को अपने ज्ञान को निरंतर अद्यतन करते रहना चाहिए। परिश्रमपूर्वक कार्य करना और तकनीकी कौशल प्राप्त करना ही वास्तविक प्रगति है। यदि नई तकनीकों को अपनाया जाए, तो ग्रामीण विकास और जनकल्याण का लक्ष्य प्राप्त होगा। जिला परिषद के इंजीनियर विकास यात्रा में मुख्य शक्ति हैं और उनका योगदान अतुलनीय है। यह मार्गदर्शन जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने किया।इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार ने कहा कि "जिला परिषद के इंजीनियरों के लिए यह आवश्यक है कि वे वास्तविक कार्यों में आने वाली समस्याओं पर गंभीरता से विचार करें और उनका समाधान खोजें। कार्य को सरल और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समन्वय, योजना और आधुनिक तकनीक का उपयोग महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से सामाजिक हित की परियोजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकता है। कार्यपालक अभियंता, सिविल इंजीनियर पद्माकर लहाने ने उपस्थित सभी इंजीनियरों को विकास कार्यों को तकनीकी रूप से परिपूर्ण बनाने में अग्रणी रहने का मार्गदर्शन दिया।

आदर्श अभियंता पुरस्कार प्राप्त अभियंता

1. इंजीनियर अनिल जीवनराव दीवान, शाखा अभियंता, जिला परिषद निर्माण उप-मंडल, शाहपुर - आदिवासी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा।
2. इंजीनियर मनीषकुमार बागलराव हेरलेकर, कनिष्ठ अभियंता, जिला परिषद निर्माण उप-मंडल, कल्याण - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग में विशेष कार्य।
3. इंजीनियर कैलाश पंडितराव खलाणे, कनिष्ठ अभियंता (यांत्रिक), जिला परिषद ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, ठाणे - जल संकट निवारण कार्य में कुशल योगदान।
4. इंजीनियर विजय भीमराव सुल्ताने, सिविल अभियांत्रिकी सहायक, जिला परिषद निर्माण उप-मंडल, भिवंडी - एक इंजीनियर के साथ-साथ मंच पर एक कलाकार के रूप में उल्लेखनीय कार्य।

जिला परिषद इंजीनियर्स एसोसिएशन महाराष्ट्र राज्य स्तरीय शाखा ठाणे के सचिव इंजी. मंगेश मासुरकर ने जिला परिषद अभियंता की ओर से नागरिकों को अभियंता दिवस के अवसर पर गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ कार्य करके अभियंताओं में विश्वास कायम करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आगमन, दीप प्रज्ज्वलन और भारत रत्न सर विश्वेश्वरैया के चित्र के पूजन के साथ हुआ।

भाजपा उ.भा. मोर्चा द्वारा जितिया व्रत का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. कामतघर स्थित स्व. काटेकर विसर्जन घाट पर संतान की सुख समृद्धि की खातिर माताओं द्वारा रखा जाने वाले जितिया पावन पर्व का भव्य आयोजन भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा जिलाध्यक्ष मंगेश यादव की टीम द्वारा पारम्परिक तरीके से बेहद कुशलता से किया गया.जितिया माता पर्व अवसर पर विसर्जन घाट पर धार्मिक,सांकृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास, भक्तिपूर्ण वातावरण के साथ संपन्न हुआ.उक्त मौके पर पद्मावती डेवलपर मालिक सुजीत सिंह, उ.भा.सेवा संस्था अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह सहित भाजपा जिलाध्यक्ष रविकांत सावंत, नीलेश चौधरी, सुमित पाटिल, श्याम अग्रवाल, संतोष शेट्टी, मनोज काटेकर, बालाराम चौधरी, राजू गाजेंगी, पीड़ी यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम में सैकड़ों मातृशक्तियों ने धार्मिक,पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संतान की लंबी आयु सहित सुख, समृद्धि के लिए व्रत,पूजन कर जितिया माता का आशीर्वाद प्राप्त किया.कार्यक्रम में सांस्कृतिक सरोकार को दर्शाते हुए माई म्यूजिक एंटरटेनमेंट द्वारा मनमोहक, सांस्कृतिक प्रस्तुतिया भक्तों के समक्ष पेश की गईं. विसर्जन घाट पर हजारों व्रती महिलाओं की गरिमामई उपस्थिति से जितिया माता पर्व भक्तिभाव एवं उत्साह से सराबोर दिखाई पड़ा. भा.उ.भा.मोर्चा जिलाध्यक्ष मंगेश यादव ने बताया कि, संतान की लंबी आयु, सुख,समृद्धि की खातिर माताओं द्वारा उपवास रखकर माता की आराधना की जाती है.जुतिया माता पर्व का आयोजन मातृत्व और संतान-कल्याण की पावन परंपरा को जीवंत रूप प्रदान करता है.पावन पर्व सांस्कृतिक एकता और समाजिक सौहार्द का भी अद्भुत संदेश प्रदान करता है. कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की टीम, जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, अटल सेवा फाउंडेशन और नरेश झा फाउंडेशन का अहम योगदान रहा.

ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ दो आरोपी गिरफ्तार

भायंदर. भायंदर पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी फर्जी एप्लीकेशन लिंक भेजकर नागरिकों के मोबाइल हैक करते थे और ओटीपी सहित बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी हासिल कर लेते थे। इन जानकारियों का इस्तेमाल कर आरोपी Flipkart जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों से मोबाइल फोन खरीदते और उन्हें अन्य ग्राहकों को बेचकर लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे। पुलिस को इस संबंध में शिकायत मिली थी जिसमें विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत दर्ज की गयी थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश एवं भायंदर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेन्द्र कांबले वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अपराध महेंद्र निंबालकर के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक संजय शिपणे की टीम ने दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया हैं।

पेड़ों पर कृत्रिम रोशनी पर्यावरण के लिए है ख़तरा

■ पर्यावरणविदों का मुख्यमंत्री फडणवीस को संदेश

ठाणे. दिन-रात ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों के पीछे दीपों की मालाएँ लटकाना गला घोंटने जैसा है। त्योहारों का आनंद प्रकृति की बलि देकर नहीं मनाया जाना चाहिए। पर्यावरणविद् डॉ. प्रशांत सिंनकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक भावुक संदेश भेजकर आगामी नवरात्रि, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस और नए साल के दौरान पेड़ों पर कृत्रिम रोशनी पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है।त्योहारों के मौसम में, दुकानें और सोसाइटियाँ पेड़ों को बिजली की लड़ियों, हैलोजन और अन्य रोशनियों की मालाओं से सजाती हैं। यह कृत्रिम रोशनी, जो क्षण भर के लिए आकर्षक लगती है, पेड़ों के जीवन चक्र को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। सूर्यास्त के बाद, जब पेड़ अपनी निद्रा अवस्था में प्रवेश करते हैं, तो कृत्रिम रोशनी उनकी श्वसन प्रक्रिया में बाधा डालती है और जैविक घड़ी को बाधित करती है।इस रोशनी से न केवल पेड़ ही नहीं बल्कि पक्षी भी नष्ट हो जाते हैं। घोंसले ढह जाते हैं और अंधेरे के आदी जानवरों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है। यह रोशनी मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है।

संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा ने जीता स्वाभिमान गणेश दर्शन प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार

■ 400 घरेलू गणपति स्थापित करने वालों को किया गया पुरस्कृत

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर में स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा आयोजित स्वाभिमान श्री गणेश दर्शन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह पद्मानगर स्थित पद्मशाली समाज हॉल में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ. प्रतियोगिता में संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया.संयुक्त मित्र मंडल को 21,000 रुपये का नकद पुरस्कार और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि शिव सेना लोकसभा संपर्क प्रमुख मदन बुवा नाइक, शिव सेना जिला प्रमुख सुभाष माने, भाजपा शहर अध्यक्ष रवि सावंत, सामाजिक कार्यकर्ता साईनाथ पवार, राकांपा शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल, आरएसएस शहर संघ चालक नरेश मारू, सार्वजनिक गणेशोत्सव महामंडल अध्यक्ष मदन भोई, अखिल पद्मशाली समाज अध्यक्ष रामकृष्ण पोटबट्टिनी और वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण गोपाल सिंह ठाकुर ने सभी मंडलों को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया.

विगत 22 वर्षों से आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता को अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए अन्य छोटे मंडलों को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास बताते हुए, मंडल के अध्यक्ष संतोष शेट्टी ने अपने परिचय में बताया कि घरेलू गणेश सजावट को सम्मान देने के उद्देश्य से पिछले साल शुरू की गई तीन प्रभागीय-स्तरीय घरेलू गणेश प्रतियोगिताओं के माध्यम से लगभग 400 घरेलू गणेश उत्सव उपहार दिए गए हैं.शहर सीमित मुख्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्ता मित्र मंडल गौरीपाड़ा को नकद 21 हजार, जय भारत मित्र मंडल पद्मानगर को नकद 15 हजार, ओमकार मित्र मंडल कोम्बड़पाड़ा को नकद 11 हजार, तथा प्रोत्साहन स्वरूप तेलुगू युवक मित्र मंडल कनेरी, शिव गणेश मित्र मंडल गणेश टॉकीज पद्मनगर तथा मिलेनियम गाइज पद्मनगर को सर्वश्रेष्ठ गणेश प्रतिमा के लिए नकद पुरस्कार व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया.इसके साथ ही तीन वर्गों - पद्मनगर कामतघर, भड़वाड़ टेमघर और ग्रामीण - में आयोजित घरेलू गणेश प्रतियोगिता में शीर्ष 21 परिवारों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. मंडल पदाधिकारी दिलीप पोद्दार, मोहन बल्लेवार, राजेश शेट्टी, राकेश पटवारी, प्रकाश कोप्पलवार, अनिल शेट्टी, राम बूरा, प्रशांत पुजारी, ईश्वर पामू ने कड़ी मेहनत की. भव्य कार्यक्रम का सफल संचालन मानसी राजे वा संस्था के प्रवक्ता संजय भोईर ने किया.

आम सूचना

मैं श्री दीपक किशनचंद ठारवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रेखा अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 307, 3रा माला, बैरक नं. 84, एसईएस स्कूल के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 15एआय015792600) उक्त प्रॉपर्टी श्री गुरमुख जी. दर्याणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.12.2023 सी.नं. 1 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री दीपक किशनचंद ठारवाणी

उर्वशी रौतेला और मिमी चक्रवर्ती को ED का समन

■ ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की जाएगी

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और पूर्व तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती को ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म 1xBet से जुड़ी जांच में समन भेजा है। यह प्लेटफॉर्म मनी लॉन्ड्रिंग के शक में जांच के दायरे में है।

ED के अनुसार दोनों कलाकार 1xBet के कुछ प्रमोशनल एंडोर्समेंट से जुड़े हैं। उर्वशी रौतेला को दिल्ली स्थित ED मुख्यालय में 16 सितंबर को हाजिर होने के लिए कहा गया है। वहीं, एक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती 15 सितंबर को हाजिर होंगी।

PTI के सूत्र के मुताबिक, दोनों के बयान PMLA (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत रिकॉर्ड किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि दोनों का 1xBet से कनेक्शन जांच के दौरान स्पष्ट किया जाएगा।

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने 'सनम रे' (2016), 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' (2016), 'हेट स्टोरी 4' (2018), 'पागलपंती' (2019) और 'डाकू महाराज' (2025) जैसी फिल्मों में काम किया है।

शांता जोग राज्यस्तरीय एकांकिका प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय का उल्लेखनीय विजय

उल्हासनगर. महाराष्ट्र ऐक्यवर्धक मंडल द्वारा आयोजित शांता जोग राज्यस्तरीय एकांकिका प्रतियोगिता में एसएसटी कला और वाणिज्य महाविद्यालय की संजीवनी सांस्कृतिक समिति के ड्रामानॉमिक्स विभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का मान बढ़ाया।

इस प्रतियोगिता में 'आठवणी' इस मराठी एकांकिका के मंचन के दौरान नेपथ्य, अभिनय, निर्देशन और संपूर्ण प्रस्तुति के दृष्टिकोण से उल्लेखनीय कामगिरी की गई। सर्वोत्तम नेपथ्य का प्रथम पुरस्कार सदान जावरे ने प्राप्त किया, जबकि सर्वोत्तम अभिनय (महिला) श्रेणी में तृतीय पुरस्कार भक्ति जाधव को मिला।

पिछले 47 वर्षों से महाराष्ट्र ऐक्यवर्धक मंडल यह प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, और इस वर्ष की प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और कला-कौशल को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस सफलता से संजीवनी सांस्कृतिक समिति और ड्रामानॉमिक्स विभाग के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास दोगुना हुआ है तथा आगामी क्षेत्रीय महोत्सवों में और अधिक उज्ज्वल प्रदर्शन करने के लिए यह उपलब्धि प्रेरणा बनेगी। महाविद्यालय के प्रबंधन, शिक्षक एवं विद्यार्थियों की ओर से विजयी दल का हार्दिक अभिनंदन किया गया।

आम सूचना

मैं श्रीमती कन्यालाल सिधाणी सभी को सूचित कर रही हूं कि बैरक नं. 259/बी, 801 चौ.फुट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 18बीआय16021800) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप कन्यालाल सिधाणी व श्रीमती हेमा भानू रावाणी अल्यास हेमा कन्यालाल सिधाणी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 15.9.2025 सी.नं. 386/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कन्यालाल सिधाणी

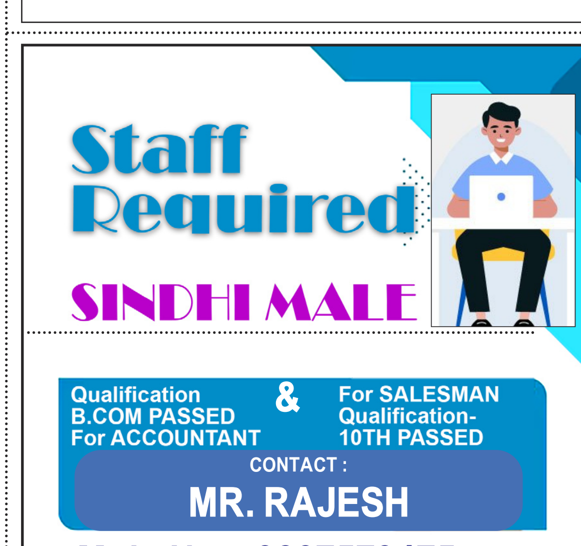

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099